C M Y K

Web: www.uttaranchaldeep.com

Email-uttaranchaldeep@gmail.com

सूर्यास्त
उत्तराखण्ड में शनिवार
सायं 5:17 बजे

सूर्योदय
उत्तराखण्ड में रविवार
सुबह 6:45 बजे

सांध्य दैनिक

उत्तरांचल दीप

सबके हाथ सच के साथ



हल्द्वानी | वर्ष 19 अंक 144 पृष्ठ 4 मूल्य 1.00 रु. | शनिवार, 28 नवंबर 2026

डैडी कूल पर थिरके शाहरुख...पेज-3 पर

News कॉर्नर

कांग्रेस की स्क्रीनिंग कमेटी पहुंची, दो दिन तक विधानसभा वार प्रत्याशियों के नामों पर करेगी मंथन

देहरादून। विधानसभा चुनाव को लेकर कांग्रेस ने उम्मीदवारों के चयन की प्रक्रिया तेज कर दी है। पार्टी संगठन से जुड़े पदाधिकारियों के साथ चर्चा कर संभावित प्रत्याशियों की स्थिति और दावेदारी के बारे में जानकारी जुटाई जाएगी। इस कवायद के जरिए अलग-अलग विधानसभा क्षेत्रों के लिए उम्मीदवारों के नामों पर राय बनाने की कोशिश होगी। उत्तराखंड विधानसभा चुनाव की तैयारियों के बीच कांग्रेस की स्क्रीनिंग कमेटी प्रदेश पहुंच गई है। प्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष गणेश गोदियाल ने कमेटी की चेयरपर्सन दीपा दास मुंशी और सदस्यों अनिल चौधरी व पाल भाई अंबलिया का उत्तराखंड पहुंचने पर स्वागत किया। स्क्रीनिंग कमेटी कांग्रेस भवन में पार्टी पदाधिकारियों के साथ बैठक करेगी। इस दौरान विधानसभा चुनाव के लिए संभावित प्रत्याशियों के नामों पर चर्चा की जाएगी।

उत्तरकाशी: मांगों को लेकर झूला पुल के पिलर पर चढ़े पूर्व प्रधान

उत्तरकाशी। मस्ताड़ी गांव के पूर्व प्रधान सत्यानारायण सेमवाल अपनी विभिन्न मांगों को लेकर झूला पुल के पिलर पर चढ़ गए। उनकी प्रमुख मांग गांव का विस्थापन और लगातार हो रहे भू-धंसाव की समस्या का समाधान करना है। घटना की जानकारी मिलने पर एसडीएम शालिनी नेगी मौके पर पहुंचीं। पुलिस और प्रशासन की टीम उनसे बातचीत कर नीचे उतरने के लिए मनाने का प्रयास कर रही है। सत्यानारायण सेमवाल का कहना है कि मस्ताड़ी गांव में लगातार भू-धंसाव हो रहा है। ऐसे में गांव के विस्थापन की व्यवस्था की जानी चाहिए। इसके साथ ही उन्होंने बाड़ागड्डी क्षेत्र की ग्राम पंचायत मस्ताड़ी में प्रभावित क्षेत्र की सुरक्षा के लिए जरूरी कदम उठाने की मांग की है।

सिलक्यारा रेस्क्यू के तीन साल, सीएम करेंगे विश्व आपदा प्रबंधन सम्मेलन का शुभारंभ

देहरादून

हमारे संवाददाता



हिमालयी क्षेत्रों में बढ़ते प्राकृतिक जोखिम, जलवायु परिवर्तन और आपदाओं से निपटने की तैयारियों पर दुनिया भर के विशेषज्ञ अपने अनुभव और शोध साझा करेंगे। सम्मेलन में आधुनिक तकनीक, शुरुआती चेतावनी प्रणाली और स्थानीय समुदायों की भूमिका पर भी विशेष जोर रहेगा। 38 से अधिक तकनीकी सत्रों में आपदा प्रबंधन की नई चुनौतियों और भविष्य की रणनीतियों पर विचार-विमर्श किया जाएगा। सिलक्यारा की ऐतिहासिक जीत के तीन साल पूरे होने के मौके पर राजधानी में आज शनिवार से तीन दिन का विश्व आपदा प्रबंधन सम्मेलन शुरू होगा। मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी इस सम्मेलन का शुभारंभ करेंगे सम्मेलन के संयोजक प्रो. दुर्गेश पंत ने बताया कि बहुचर्चित सिलक्यारा विजय अभियान की तीसरी वर्षगांठ के ऐतिहासिक उपलक्ष्य में 28 से 30 नवंबर तक देहरादून में विश्व आपदा प्रबंधन सम्मेलन 2026 हो रहा है। हिमालयन अकादमी ऑफ साइंस एंड टेक्नोलॉजी की ओर से आयोजित सम्मेलन की थीम इस बार रेसिलिएंस स्टार्टस एट होम = एंटीसिपेटिंग रिस्क्स, बिल्डिंग रेसिलिएंस, ट्रांसफॉर्मिंग फ्यूचर्स रखी गई है।

कार्बन उत्सर्जन को नियंत्रित करने और स्थानीय स्तर पर आपदा से लड़ने की क्षमता विकसित करने के उद्देश्य से गांव से ग्लोब तक एक आवाज के संकल्प के साथ इसकी शुरुआत होगी। उत्तराखंड के सभी जिलों, देश के 30 से अधिक राज्यों, 6 महाद्वीपों के लगभग 50 देशों के वैज्ञानिक, नीति-निर्माता और शोधकर्ता सम्मेलन में शामिल होंगे।

सम्मेलन के संयोजक प्रो. दुर्गेश पंत के नेतृत्व में आयोजित इस कार्यक्रम में 30 से अधिक राष्ट्रीय व अंतरराष्ट्रीय संस्थानों जैसे इसरो, डीआरडीओ, आईआईटी रुड़की, वाडिया हिमालय भूविज्ञान संस्थान, सीबीआरआई, जेएनयू और सी-डॉट के सहयोग से 38 से अधिक तकनीकी सत्र आयोजित होंगे।

इस दौरान 200 से अधिक शोध पत्र प्रस्तुत किए जाएंगे। सत्रों में हिमालयी ग्लेशियरों में बदलाव, बाढ़ व चक्रवात, अंतरिक्ष तकनीक, आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस, अर्ली वार्निंग सिस्टम, सामुदायिक रेडियो, शहरी हीटवेव और आपदा प्रबंधन में महिलाओं व युवाओं की भूमिका जैसे ज्वलंत विषयों पर गहन चर्चा होगी।

केरलमः 427 नौसेना अधिकारी हुए पास आउट

भारत स्वदेशी कई युद्धपोत और पनडुब्बियां बना रहा: द्रौपदी मुर्मू

नई दिल्ली/केरलम

एजेंसी



राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मु ने केरल में नौसेना अकादमी की पासिंग आउट परेड में समुद्री सुरक्षा को देश की अर्थव्यवस्था से जुड़ा बताया। उन्होंने स्वदेशी युद्धपोत निर्माण, आत्मनिर्भर रक्षा क्षमता और महिला अधिकारियों की भागीदारी की सराहना की।

राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मु शनिवार, 28 नवंबर को केरलम के कन्नूर जिले में स्थित भारतीय नौसेना अकादमी (ईएनए), एझिमाला की पासिंग आउट परेड में शामिल हुईं। अकादमी के ऑटम टर्म-2026 का यह समारोह एझिमाला के परेरा परेड ग्राउंड में आयोजित किया गया। राष्ट्रपति इस कार्यक्रम में मुख्य अतिथि और निरीक्षण अधिकारी के रूप में शामिल हुईं।

राष्ट्रपति मुर्मु ने कहा कि आज की आपस में जुड़ी दुनिया में समुद्री क्षेत्र का महत्व लगातार बढ़ रहा है। वैश्विक व्यापार का बड़ा हिस्सा समुद्री रास्तों से होता है। ऐसे में इन मार्गों की सुरक्षा सीधे देशों की आर्थिक खुशहाली और आम लोगों के दैनिक जीवन से जुड़ी है। उन्होंने कहा कि जहाजों की आवाजाही में किसी भी तरह की बाधा से जरूरी सामानों की आपूर्ति प्रभावित हो सकती है। इससे वस्तुओं की लागत बढ़ती है और आम नागरिकों पर अतिरिक्त आर्थिक बोझ पड़ता है। उन्होंने प्रशिक्षु अधिकारियों से कहा कि समुद्र में उनकी सेवा भारत के लोगों के जीवन से जुड़ी है। उनका काम देश की सुरक्षा, समृद्धि और नागरिकों के कल्याण में सीधे योगदान देता है। राष्ट्रपति मुर्मू ने कहा कि भारत अपनी स्वदेशी रक्षा क्षमताओं को लगातार मजबूत कर रहा है। अब बड़ी संख्या में युद्धपोत और पनडुब्बियां भारतीय शिपयार्ड में डिजाइन और तैयार की जा रही हैं। उन्होंने कहा कि यह आत्मनिर्भरता के प्रति भारत की प्रतिबद्धता और देश के इंजीनियरों, वैज्ञानिकों, कुशल श्रमिकों तथा उद्योगों की क्षमता पर भरोसे को दिखाता है। नौसेना के अधिकारी भी मजबूत और आत्मनिर्भर भारत की इस यात्रा का हिस्सा होंगे। उन्होंने यह भी कहा कि दुनिया तेजी से बदल रही है।

फेरबदल: अल्मोड़ा-नैनीताल के डीएम समेत 10 आईएएस-पीसीएस अफसरों के तबादले

हल्द्वानी

हमारे संवाददाता



जिम्मेदारी

- नैनीताल जिले की कमान अंशुल सिंह के हाथों सौंपी गई

चुनावी साल की आहट के बीच शासन ने प्रशासनिक मशीनरी को फिर झकझोर दिया है। शुक्रवार देर रात जारी तबादला आदेश में पांच आईएएस और पांच पीसीएस अधिकारियों को इधर से उधर कर दिया गया। इस फेरबदल में नैनीताल और अल्मोड़ा जिलों की कमान बदलने के साथ कई अधिकारियों की जिम्मेदारियां भी नए सिरे से तय की गई हैं। सबसे बड़ा बदलाव नैनीताल में हुआ है, जहां जिलाधिकारी ललित मोहन रयाल की जगह अब अल्मोड़ा के डीएम अंशुल सिंह जिले की कमान संभालेंगी।

नैनीताल की कुर्सी बदली, रयाल सचिवालय पहुंचे: अल्मोड़ा के जिलाधिकारी अंशुल सिंह को नैनीताल का नया जिलाधिकारी नियुक्त किया गया है। वहीं नैनीताल के जिलाधिकारी ललित मोहन रयाल को जिले से हटाकर शासन में अपर सचिव कार्मिक एवं सतर्कता विभाग और अपर सचिव मुख्यमंत्री की जिम्मेदारी सौंपी गई है। प्रशासनिक गलियारों में इस बदलाव को अहम माना जा रहा है। खेल एवं युवा कल्याण विभाग की निदेशक दीप्ति सिंह को जिलाधिकारी अल्मोड़ा बनाया गया है। अंशुल सिंह के नैनीताल आने के बाद अल्मोड़ा की जिम्मेदारी अब दीप्ति सिंह संभालेंगी। विनीत तोमर, आईएएस कुमाऊं मंडल विकास निगम के प्रबंध निदेशक के साथ जिला विकास प्राधिकरण नैनीताल के उपाध्यक्ष का अतिरिक्त प्रभार निधि यादव, आईएएसअपर सचिव कृषि से हटाकर अपर सचिव खेल एवं युवा कल्याण और निदेशक खेल एवं युवा कल्याण की जिम्मेदारी कृष्ण कुमार मिश्रा, पीसीएस- अपर जिलाधिकारी देहरादून से अपर जिलाधिकारी हरिद्वार पंकज कुमार उपाध्याय, पीसीएस- अपर मेलाधिकारी कुंभ मेला हरिद्वार के साथ अपर जिलाधिकारी हरिद्वार का अतिरिक्त प्रभार वैभव गुप्ता, पीसीएस- अपर जिलाधिकारी हरिद्वार से अपर जिलाधिकारी देहरादून सीमा विश्वकर्मा, पीसीएस- उप जिलाधिकारी अल्मोड़ा से उप जिलाधिकारी नैनीताल सुधीर कुमार, पीसीएस- उप जिलाधिकारी नैनीताल से उप जिलाधिकारी अल्मोड़ा। सभी अधिकारियों को नई तैनाती पर कार्यभार ग्रहण करने के निर्देश दिए गए हैं।

जागेश्वर: मूर्तियों को दिल्ली ले जाने की सूचना से आक्रोश

अल्मोड़ा

हमारे संवाददाता

विरोध

- पुरातत्व विभाग की टीम पर भड़के लोग और पुजारी

जागेश्वर धाम के संग्रहालय की प्राचीन मूर्तियों को दिल्ली ले जाने की सूचना से स्थानीय लोगों और पुजारियों में आक्रोश। शनिवार सुबह केंद्रीय पुरातत्व विभाग की टीम जागेश्वर पहुंची, जिसका लोगों और पुजारियों ने विरोध किया।

अल्मोड़ा जिले के जागेश्वर धाम के संग्रहालय में रखी प्राचीन मूर्तियों को दिल्ली ले जाने की सूचना से स्थानीय लोगों और पुजारियों में आक्रोश फैल गया। शनिवार सुबह केंद्रीय पुरातत्व विभाग की टीम अचानक जागेश्वर पहुंची। टीम के पहुंचते ही स्थानीय लोगों और पुजारियों ने मूर्तियों को दिल्ली ले जाने का विरोध शुरू कर दिया। स्थानीय लोगों और पुजारियों का कहना है कि ये प्राचीन मूर्तियां क्षेत्र की ऐतिहासिक और सांस्कृतिक विरासत हैं।

इनसे लोगों की आस्था भी जुड़ी हुई है। किसी भी कीमत पर इन मूर्तियों को जागेश्वर से बाहर नहीं ले जाने दिया जाएगा। इस दौरान पुरातत्व विभाग की टीम और स्थानीय लोगों के बीच काफी गहमागहमी देखने को मिली।

मैदान से लेकर पहाड़ तक कोहरा बढ़ाएगा सूखी ठंड

देहरादून। नवंबर का महीना बीतने के बाद भी ठंड ने ठीक से दस्तक नहीं दी है। सुबह-शाम हालांकि हल्की सर्दी महसूस हो रही है। लेकिन दिन में सूरज तेवर दिखा रहा है। लेकिन अब मौसम बदलने वाला है।

उत्तराखंड में मौसम का मिजाज बदलने के साथ सूखी ठंड का असर बढ़ने लगा है। मैदान से लेकर पहाड़ी क्षेत्रों तक कोहरे की दस्तक ठंड को और बढ़ाएगी। मौसम विज्ञान केंद्र की ओर से पर्वतीय जिलों के साथ हरिद्वार और ऊधमसिंह नगर में कोहरा छाने की संभावना जताई है। इससे सुबह और रात के समय ठंड का असर अधिक महसूस हो सकता है। मौसम विभाग के अनुसार, प्रदेश में 29 नवंबर से दो दिसंबर तक मौसम शुष्क बना रहेगा। इस दौरान बारिश की संभावना नहीं है।

उत्तराखंड लोक सेवा आयोग ने भर्तियों परीक्षा कैलेंडर जारी किया

देहरादून

हमारे संवाददाता



सरकारी नौकरी की तैयारी कर रहे युवाओं के लिए आने वाले महीने अहम रहने वाले हैं। राज्य में विभिन्न पदों पर भर्ती प्रक्रिया को आगे बढ़ाने की तैयारी है। इससे अभ्यर्थियों को अपनी परीक्षा की तैयारी और रणनीति बनाने में मदद मिलेगी। आयोग ने इन परीक्षाओं के लिए संभावित समय-सारिणी जारी की है।

उत्तराखंड लोक सेवा आयोग ने 11 भर्तियों का परीक्षा कैलेंडर जारी कर दिया है। इस माह से लेकर अगले साल जुलाई तक ये परीक्षाएं कराई जाएंगी। हालांकि यह प्रस्तावित तिथियां हैं, जिनमें भविष्य में जरूरत के हिसाब से परिवर्तन भी हो सकता है। आयोग के सचिव अशोक कुमार पांडेय के मुताबिक, पीसीएस, प्रवक्ता, लोअर पीसीएस, वैयक्तिक सहायक, कर एवं राजस्व निरीक्षक, पशु चिकित्साधिकारी, समीक्षा अधिकारी और जेई भर्ती के लिए ये तिथियां तय की गई हैं।

इनमें पीसीएस प्री परीक्षा-29 नवंबर 2026, इंटर कॉलेज प्रवक्ता भर्ती(कला)- 06 दिसंबर 2026, लोअर पीसीएस प्री परीक्षा- 27 दिसंबर 2026, हाईकोर्ट वैयक्तिक सहायक भर्ती-06 जनवरी 2027, प्रवक्ता इंटर कॉलेज(गृह विज्ञान)-30 जनवरी 2027, कर एवं राजस्व निरीक्षक भर्ती-25 अप्रैल 2027, पशु चिकित्साधिकारी भर्ती-01 व 02 मई 2027, सहायक अभियंता मुख्य परीक्षा-08 मई से 14 मई 2027, समीक्षा अधिकारी, सहायक समीक्षा अधिकारी प्री परीक्षा-30 मई 2027, समीक्षा अधिकारी लेखा, सचिवालय सेवा-06 जून 2027, कनिष्ठ अभियंता मुख्य परीक्षा-26 जून से 01 जुलाई 2027 प्रस्तावित परीक्षा व तिथि जारी की गई हैं।

डीएसबी परिसर में नशा मुक्ति जागरूकता कार्यक्रम

नैनीताल

हमारे संवाददाता



कुमाऊँ विश्वविद्यालय के डीएसबी परिसर नैनीताल में शुक्रवार को मेरा युवा भारत नैनीताल उत्तराखंड, युवा कार्यक्रम एवं खेल मंत्रालय भारत सरकार के तत्वावधान में नशा मुक्ति जागरूकता कार्यक्रम का आयोजन किया गया। कार्यक्रम में वक्ताओं ने युवाओं को नशे के दुष्प्रभावों के प्रति जागरूक करते हुए स्वस्थ एवं सकारात्मक जीवनशैली अपनाने का संदेश दिया।

इस मौके पर परिसर निदेशक प्रो. संजय पंत ने कार्यक्रम के आयोजन की सराहना करते हुए कहा कि वर्तमान समय में युवाओं में नशे की प्रवृत्ति लगातार बढ़ना चिंता का विषय है। इसी को ध्यान में रखते हुए सरकार द्वारा युवाओं को जागरूक करने के लिए ऐसे कार्यक्रम आयोजित किए जा रहे हैं। इस अवसर पर प्रो. ललित मोहन तिवारी ने नशे के इतिहास तथा विभिन्न प्रकार के मादक पदार्थों जैसे गांजा, अफीमए हेरोइन और कोकीन के दुष्प्रभावों पर प्रकाश डाला। उन्होंने बताया कि नशीले पदार्थ मस्तिष्क और शरीर के बीच होने वाले सामान्य संचार को प्रभावित करते हैं तथा मस्तिष्क में डोपामिन के स्तर में असामान्य वृद्धि कर नशे की लत को बढ़ावा देते हैं।

कार्यक्रम में डॉ. हरीश चंद्र सिंह बिष्ट ने अपने संबोधन में कहा कि डीएसबी परिसर हमारा अपना परिसर है और इसे नशामुक्त रखना हम सभी की सामूहिक जिमेदारी है,एनएचएम के जिला कार्यक्रम प्रबंधक मदन सिंह मेहरा ने नशे के कारण मानसिक स्वास्थ्य, एकाग्रता, ध्यान केंद्रित करने की क्षमता और नींद के चक्र पर पड़ने वाले नकारात्मक प्रभावों के बारे में जानकारी दी। कार्यक्रम में उप निदेशक युवा विभाग भारत सरकार डॉल्फी तेवतिया ने मानसिक स्वास्थ्य के महत्व पर प्रकाश डालते हुए युवाओं को सकारात्मक विचार अपनाने, अपनी क्षमताओं को पहचानने तथा जीवन में अपना सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन करने के लिए प्रेरित किया। संचालन डीन एजुकेशन प्रो. ललित मोहन तिवारी सभी को नशा मुक्ति की शपथ दिलाई।

हाईकोर्ट में हुई सिंचाई विभाग के ग्रुप डी कर्मियों को प्रोन्नत वेतनमान देने के मामले में सुनवाई

नैनीताल

हमारे संवाददाता

हाईकोर्ट की खंडपीठ ने सिंचाई विभाग के ग्रुप डी कर्मचारियों को प्रोन्नत वेतनमान देने के एकलपीठ के फैसले को सही ठहराते हुए राज्य सरकार की विशेष अपील (एसपीए/494/2019) खारिज कर दी। मुख्य न्यायाधीश (कार्यवाहक) मनोज कुमार तिवारी और न्यायमूर्ति सिद्धार्थ साह की पीठ ने 26 नवंबर 2026 को यह आदेश पारित किया।

मामले के मुताबिक राज्य सरकार ने एकलपीठ के 20 जुलाई 2018 के फैसले को चुनौती दी थी। उस फैसले में रिट याचिका (एसएस) संख्या1692/2014 स्वीकार हुई थी जो भगत सिंह व अन्य कर्मचारियों ने दायर की थी। कर्मचारियों ने 2 दिसंबर 2000 के शासनादेश के तहत प्रोन्नत वेतनमान मांगा था जिसमें 14 वर्ष की संतोषजनक सेवा के बाद अगले उच्च पद (ग्रुप सी) का वेतनमान मिलता है। मुख्य अभियंता ने 23 अगस्त 2005 और 19 जुलाई 2007 के शासनादेशों का हवाला देकर उनका प्रत्यावेदन खारिज कर दिया था।सुनवाई के दौरान पीठ ने कहा कि प्रोन्नत वेतनमान की पात्रता उस शासनादेश के अनुसार तय होगी जो पात्रता हासिल करने की तारीख पर लागू था। अधिकांश कर्मचारी राज्य पुनर्गठन (9 नवंबर 2000) से पहले 14 वर्ष की सेवा पूरी कर चुके थे। याचिकाकर्ता संख्या 6 की पात्रता 31 दिसंबर 2004 को बनी। इसलिए बाद में जारी शासनादेश इस अर्जित अधिकार को खत्म नहीं कर सकते। सुनवाई में राज्य सरकार के अधिवक्ता ने भी स्वीकार किया कि प्रोन्नत वेतनमान का लाभ पात्रता की तिथि से मिलता है भले आदेश बाद में पारित हो। इससे पहले कोर्ट ने अपील दाखिल करने में हुई देरी माफ कर दी थी। सुनवाई में राज्य की ओर से अपर महाधिवक्ता जी. डी. कांडपाल और ब्रीफ होल्डर एम. एस. बिष्ट पेश हुए जबकि कर्मचारियों की ओर से अधिवक्ता डी. एस. मेहता ने पैरवी की।



कुविवि के वीसी प्रो. बिष्ट ने यूनिटी लॉ कॉलेज रुद्रपुर का निरीक्षण

रुद्रपुर/नैनीताल

हमारे संवाददाता

कुमाऊँ विश्वविद्यालय नैनीताल के कुलपति प्रो. सतपाल सिंह बिष्ट ने शुक्रवार को रुद्रपुर स्थित यूनिटी लॉ कॉलेज का निरीक्षण किया। इस दौरान उन्होंने महाविद्यालय की शैक्षणिक एवं प्रशासनिक व्यवस्थाओं का जायजा लिया तथा प्राचार्य एवं शिक्षकों और कर्मचारियों के साथ संवाद किया।

कुलपति प्रो. बिष्ट ने विधि शिक्षा की गुणवत्ता को और बेहतर बनाने के लिए नियमित कक्षाओं के संचालन, गुणवत्तापूर्ण शिक्षण, विद्यार्थियों की शैक्षणिक सहभागिता तथा अकादमिक अनुशासन पर विशेष ध्यान देने के निर्देश दिए। उन्होंने परीक्षा प्रणाली को पारदर्शी, व्यवस्थित एवं सुचारु बनाने पर जोर देते हुए परीक्षा संबंधी सभी प्रक्रियाओं का समयबद्ध एवं नियमानुसार संपादन सुनिश्चित करने को कहा। उन्होंने कहा कि विश्वविद्यालय से संबद्ध महाविद्यालयों में शैक्षणिक गुणवत्ता का उन्नयन और परीक्षा व्यवस्था को प्रभावी बनाना विश्वविद्यालय की प्राथमिकताओं में शामिल है। इसके लिए सभी महाविद्यालयों को अपनी शैक्षणिक एवं प्रशासनिक जिम्मेदारियों का गंभीरता से निर्वहन करना चाहिए,निरीक्षण के दौरान प्रो. महेंद्र सिंह राणा एवं डॉ. संतोष कुमार भी उपस्थित रहे।

22वें दिन भी नहीं मिला लापता छात्र अर्णव का सुराग, बिहार लौटे परिजन

नैनीताल

हमारे संवाददाता



नैनीताल की सबसे ऊंची चोटी चीना पीक की ट्रेकिंग के दौरान लापता हुए बीटेक छात्र अर्णव सिंह का 22वें दिन भी कोई सुराग नहीं मिला। बेटे की तलाश में बिहार से नैनीताल पहुंचे पिता पंकज कुमार और परिजन लगातार खोजबीन व पुलिस के चक्कर काटने के बाद आखिरकार हार मानकर वापस लौट गए। बेटे का पता नहीं चलने से मायूस पिता ने कहा- अब जो होगा देखा जाएगा।

बता दें बीते 6 नवंबर को अर्णव के लापता होने के बाद से परिजन नैनीताल में डटे हुए थे। हर दिन बेटे की सकुशल वापसी की उम्मीद लेकर पुलिस के पास पहुंचते लेकिन कोई ठोस जानकारी नहीं मिलने से उनकी निराशा बढ़ती गई। पिता पंकज कुमार पुलिस की जांच से पहले ही असंतुष्टि जता चुके थे। उन्होंने जांच की दिशा और कार्रवाई पर सवाल उठाते हुए मामले में गंभीरता से खोजबीन करने की मांग की थी। लगातार 22 दिनों तक बेटे की तलाश में भटकने और कोई जानकारी नहीं मिलने के बाद परिजनों का धैर्य जवाब दे गया। पिता और अन्य परिजन अब बिहार लौट गए हैं। बेटे को खोजने के लिए नैनीताल में बिताए दिनों की पीड़ा और बेबसी उनके चेहरे पर साफ झलक रही थी। परिजनों को उम्मीद थी कि पुलिस की जांच से जल्द कोई जानकारी सामने आएगी लेकिन लंबा इंतजार निराशा में बदल गया।इससे पहले पिता पंकज कुमार ने कैंची धाम स्थित बाबा नीब करौरी के दरबार और घोड़ाखाल गोल्ज्यू मंदिर पहुंचकर अर्णव की सकुशल वापसी और न्याय की गुहार लगाई थी। उन्होंने अर्णव का पता बताने वाले को 50 हजार रुपये और सकुशल वापस लाने वाले को एक लाख रुपये इनाम देने की घोषणा भी की थी वहीं पुलिस का कहना है कि लापता छात्र की तलाश लगातार जारी है।

नैनीताल के जिला अस्पताल में चिकित्सकों का टोटा

नैनीताल । नैनीताल के राजकीय बी.डी. पांडे जिला अस्पताल में चिकित्सकों की कमी के चलते स्वास्थ्य सेवाएं प्रभावित होने लगी हैं। ईएमओ (इमरजेंसी मेडिकल ऑफिसर) की अन्य स्थानों पर तैनाती के बाद अस्पताल में चिकित्सकों की संख्या घट गई है। वहीं शुक्रवार को अस्पताल के एकमात्र बाल रोग विशेषज्ञ के छुट्टी पर होने के बावजूद वैकल्पिक व्यवस्था नहीं किए जाने से बीमार बच्चों को लेकर पहुंचे परिजनों को परेशानियों का सामना करना पड़ा।

अस्पताल में पहले से चिकित्सकों की कमी बनी हुई है। ऐसे में ईएमओ की अन्य स्थानों पर तैनाती होने से व्यवस्थाओं पर अतिरिक्त दबाव बढ़ गया है। शुक्रवार को बाल रोग विशेषज्ञ के अवकाश पर होने से बच्चों के उपचार के लिए पहुंचे परिजन परेशान रहे। अस्पताल में वैकल्पिक बाल रोग विशेषज्ञ की तैनाती नहीं होने से मरीजों को दिक्कतें उठानी पड़ीं।

हनीट्रैप केस: आरोपी महिला की गिरफ्तारी पर लगी रोक को हटाया

नैनीताल

हमारे संवाददाता

हाईकोर्ट ने हल्द्वानी के एक बुजुर्ग कारोबारी को हनीट्रैप के जाल में फंसाकर उनसे अवैध वसूली और ब्लैकमेलिंग करने के मामले में दर्ज मुकदमे को निरस्त करने और और आरोपी की गिरफ्तारी पर रोक लगाए जाने को लेकर दायर मामले पर सुनवाई की।

मामले की सुनवाई करते हुए न्यायमूर्ति पंकज पुरोहित की एकलपीठ ने आरोपी महिला की गिरफ्तारी पर लगी रोक को हटाते हुए उनकी याचिका को खारिज कर दिया। इससे पहले कोर्ट ने उनकी गिरफ्तारी पर अंतरिम रोक लगा रखी थी। मामले के अनुसार आरोपी ज्योति सिंह ने उच्च न्यायालय में याचिका दायर कर कहा है कि दर्ज मामले में उन्हें गलत फंसाया गया है, उनका इससे कोई लेना देना नहीं है, इसलिए उनके खिलाफ दर्ज मुकदमे को निरस्त किया जाय और उनकी गिरफ्तारी पर रोक लगाई जाए। दर्ज मुकदमे में बुजुर्ग कारोबारी ने आरोप लगाया गया है कि उनको हनीट्रैप के जाल में फंसाकर उनको ब्लैकमेल किया जा रहा, उनसे करोड़ों रुपए की मांग की जा रही है,वही नहीं उनको जानमाल का खतरा उत्पन्न हो गया है, उनकी फोटो और बीडिओ वाइरल करने की धमकी देकर मोटी रकम की मांग की जा रही है उनकी संपति को हड़प लिया गया है। इस संबंध में उनके द्वारा एसएसपी नैनीताल को शिकायती पत्र देकर कहा है कि आरोपियों के खिलाफ सख्त कानूनी कार्यवाही जाय और उन्हें सुरक्षा दिलाई जाए। इस दर्ज मुकदमे को निरस्त करने और गिरफ्तारी पर रोक लगाए जाने को लेकर आरोपी ने याचिका दायर की गयी थी जिस पर शुक्रवार को कोर्ट ने उनकी गिरफ्तारी पर लगी रोक को हटाते हुए याचिका खारिज कर दी।

NEWS / फटाफट

भवाली सैनिटोरियम को सुपर स्पेशियलिटी अस्पताल बनाए जाने से मरीजों को मिलेगी राहत:हेम

नैनीताल । भाजपा के वरिष्ठ नेता हेम चंद्र आर्य ने भवाली सैनिटोरियम में दो सौ बेड के नए सुपर स्पेशियलिटी अस्पताल बनाएं जाने पर खुशी जताई है। आर्य ने कहा कि उनकी ओर से इस मामले को लेकर वर्ष 2018 में अस्पताल परिसर में 12 दिनों तक धरना प्रदर्शन किया गया था। उन्होंने कहा कि इस अस्पताल को कुमाऊं मंडल का एमस बनाया जाए। उन्होंने कहा कि हाईकोर्ट के निर्देश के बाद यहां पर सुपर स्पेशियलिटी अस्पताल बनाए जाने के लिए 250 करोड़ रुपएं का प्रस्ताव विभाग की ओर से शासन को भेज दिया गया है। कहा कि अस्पताल के निर्माण से कुमाऊं मंडल के पर्वतीय क्षेत्रों के मरीजों का काफी हद तक सुविधा मिल सकेगी। कहा कि पूर्व में 378 बेड के इस अस्पताल में वर्तमान में 60 बेड ही हैं।

बॉटनी की शोधार्थी रीता की हुई पीएचडी की मौखिकी परीक्षा

नैनीताल । कुमाऊं विवि के डीएसबी परिसर नैनीताल के वनस्पति विज्ञान विभाग में शुक्रवार को रीता सचान ने अपनी पीएचडी की अंतिम मौखिक परीक्षा ऑनलाइन माध्यम से संपन्न की । परीक्षा शाकंभरी विश्वविद्यालय सहारनपुर की कुलपति प्रो. वाई विमला ने पूर्ण की । रीता ने अपना शोध कार्य काशीपुर महाविद्यालय वनस्पति की डॉ. स्नेह लता तथा विभागाध्यक्ष वनस्पति प्रो. ललित मोहन तिवारी के निर्देशन में पूर्ण किया । रीता ने वीड फफोलोग एंड एलेलोपैथिक इफेक्ट ऑफ सेलेटेड वेड्स इन डिस्ट्रिक्ट ऊधम सिंह नगर उत्तराखंड विषय पर पूर्ण की ।

कमिश्नर की फटकार के बाद हरकत में आई पुलिस

नैनीताल । नगर के तल्लीताल पुराने रोडवेज स्टेशन स्थित पुलिस सहायता केंद्र के समीप बेतरतीब पार्क वाहनों को लेकर कुमाऊं आयुक्त दीपक रावत की नाराजगी के बाद पुलिस हरकत में आ गई। पुलिस ने पुलिस सहायता केंद्र के आसपास और डांठ क्षेत्र में पार्क वाहनों को हटाकर जगह खाली कराई। बता दें शुक्रवार को पुलिस सहायता केंद्र के आसपास समेत डांठ क्षेत्र में पार्क वाहनों को हटाया गया। इससे क्षेत्र में पार्किंग को लेकर बनी अव्यवस्था को दूर करने की कार्रवाई की गई साथ ही डांठ क्षेत्र में पार्क सभी वाहनों को हटाया गया।

हाईकोर्ट ने आरोपी दिनेश को संदेह का लाभ देकर किया बरी

नैनीताल । हाईकोर्ट ने चंपावत जिले के टनकपुर में वर्ष 2021 में मानसिक रूप से अस्वस्थ महिला के साथ हुए दुष्कर्म मामले में निचली अदालत के फैसले को रद्द करते हुए आरोपी दिनेश चौड़ाकोटी को संदेह का लाभ देकर बरी कर दिया। बता दें चंपावत के सत्र न्यायाधीश ने 4 फरवरी 2025 को आरोपी को भारतीय दंड संहिता की धारा 376(2)(1) के तहत दोषी ठहराते हुए 20 साल के कठोर कारावास और एक लाख रुपये जुर्माने की सजा सुनाई थी। हाईकोर्ट ने अपने फैसले में निचली अदालत की प्रक्रिया और साक्ष्यों के आकलन पर गंभीर सवाल उठाते हुए सजा को निरस्त कर दिया। मामले की सुनवाई न्यायमूर्ति रवींद्र मैठाणी और न्यायमूर्ति सिद्धार्थ साह की खंडपीठ में हुई।

नंदा देवी महोत्सव व कैंची धाम मेले सौभाग्य मिला:मंजूनाथ टीसी



नैनीताल । नैनीताल जिले से तबादले के बाद पुलिस कप्तान मंजूनाथ टीसी ने अपने कार्यकाल को संतोषजनक बताया। उन्होंने कहा कि नैनीताल में तैनाती के दौरान श्री मां नंदा देवी महोत्सव और कैंची धाम मेले का सफल आयोजन कराने का सौभाग्य मिला। उन्होंने नैनीताल जिले में नशे और सैकस रैकेट के खिलाफ कार्रवाई को अपने कार्यकाल की प्रमुख कामयाबी बताया। शुक्रवार को पत्रकारों से भेंट में मंजूनाथ टीसी ने कहा कि नैनीताल और कैंची धाम की यातायात व्यवस्था को बेहतर बनाने के लिए उनके कुछ प्लान अधूरे रह गए। शहर में छोटे छोटे पार्किंग स्थल विकसित करने और टैकसी बाइक के संचालन को व्यवस्थित करने की योजना पर भी अपेक्षित काम नहीं हो सका। इन व्यवस्थाओं को बेहतर बनाने की जरूरत अब भी बनी हुई है। उन्होंने कहा कि वह जिले में अपने कार्यकाल से खुश हैं। यहां के लोगों ने अच्छे कामों के लिए सराहना कीए वहीं कमियों पर खुलकर राय भी दी। जनता से मिले सहयोग और सुझावों ने उन्हें काम करने के लिए प्रोत्साहित किया।

नोट

समाचार पत्र में छपे लेख, पत्र व अन्य कालमों में लेखकों के विचार होते हैं, उनसे संपादक का सहमत होना आवश्यक नहीं है।

-संपादक

पूर्व प्रधान संपादक:
स्व. वेदप्रकाश गुप्ता
स्वामी, मुद्रक, प्रकाशक
श्रीमती आदेश अग्रवाल द्वारा
उत्तरांचल दीप प्रेस
चंद्रकाता हाउस, नैनीताल रोड
हल्द्वानी से मुद्रित एवं प्रकाशित
संपादक- श्रीमती आदेश अग्रवाल
प्रबंध संपादक- साकेत अग्रवाल
दूरभाष : 05946-224556
फैक्स:05946-283801
e-mail: Uttaranchaldeep@gmail.com
www.dainikuttaranchaldeep.com
आरएनआई नं. UTTHIN/ 2009/ 32558
समस्त विवाद हल्द्वानी न्यायालय के अधीन होंगे।
संस्थापक: स्व. मुन्ना बाबू राजपूत

अभिमत

सेहत से खिलवाड़

फलों को खरीदने, धोने और काट कर खाने को झंझट मानने वाले लोग पैक्ड फ्रूट जूस को आसान विकल्प मानते हैं। भारतीय आयुर्विज्ञान अनुसंधान परिषद ने एडवाइजरी जारी की है कि बिना सोचे-समझे फलों के इन बाजारू रसों के सेवन से सेहत के साथ खिलवाड़ हो रहा है और कई तरह की बीमारियां हो रही हैं। पैकेट वाले फूड्स पर स्वास्थ्य संबंधी दावे उपभोक्ता का ध्यान आकर्षित करने के लिए और उन्हें इस बात पर राजी करने के लिए किए जा सकते हैं कि यह प्रोडक्ट सेहत के लिहाज से अच्छा है। ऐसा कोई भी सामान खरीदते वक्त उस पर स्वास्थ्य संबंधी दावे को ठीक से पढ़ना चाहिए।

मध्यम वर्ग की कमाई बढ़ने के साथ ही पैक्ड फूड का सेवन तेजी से बढ़ रहा है। एनर्जी ड्रिंक के नाम से छोटी-छोटी प्लास्टिक की शीशियों में स्कूल, कालेज के बाहर तथा गलियों की दुकानों में पेय पदार्थ बेचे जा रहे हैं। दुकानें तरह-तरह के पैक्ड फलों के रसों से भरी पड़ी हैं। पैक्ड जूस की बिक्री तेजी से बढ़ रही है। फलों को खरीदने, धोने और काट कर खाने को झंझट मानने वाले लोग पैक्ड फ्रूट जूस को आसान विकल्प मानते हैं। भारतीय आयुर्विज्ञान अनुसंधान परिषद ने एडवाइजरी जारी की है कि बिना सोचे-समझे फलों के इन बाजारू रसों के सेवन से सेहत के साथ खिलवाड़ हो रहा है और कई तरह की बीमारियां हो रही हैं। पैकेट वाले फूड्स पर स्वास्थ्य संबंधी दावे उपभोक्ता का ध्यान आकर्षित करने के लिए और उन्हें इस बात पर राजी करने के लिए किए जा सकते हैं कि यह प्रोडक्ट सेहत के लिहाज से अच्छा है। ऐसा कोई भी सामान खरीदते वक्त उस पर स्वास्थ्य संबंधी दावे को ठीक से पढ़ना चाहिए। विशेषज्ञों की सलाह है कि रियल फ्रूट होने का दावा करने वाले उत्पाद में चीनी और अन्य तत्व मिले हो सकते हैं और उसमें असली फल का केवल 10 फीसदी तत्व हो सकता है। कंपनियां अपने खाद्य उत्पादों के बारे में गलत और आधे-अधूरे दावे करने के लिए लेबल का इस्तेमाल करती हैं। विशेषज्ञों की सलाह है कि साबुत फल अपने फाइबर और पोषक तत्वों की वजह से ज्यादा सेहतमंद हैं। एनर्जी ड्रिंक्स और कोल्ड ड्रिंक्स फलों के जूस का विकल्प नहीं हैं। कार्बोनेटेड और गैर-कार्बोनेटेड दोनों तरह के शीतल पेय पदार्थों से बचना चाहिए। इन पेय पदार्थ में चीनी, कृत्रिम मिठास, खाद्य अम्ल और कृत्रिम स्वाद हो सकते हैं, जो अधिक मात्रा में सेवन करने से हानिकारक साबित होते हैं। छाछ, बींबू पानी, ताजे फलों का रस (बिना चीनी मिलाए) और नारियल पानी पीना स्वास्थ्यवर्धक होता है। वैश्विक महामारी कोरोना के प्रकोप के दौरान रोग प्रतिरोधक क्षमता बढ़ाने के लिए डाक्टरों ने फलों के सेवन की सलाह दी। आलसी लोगों ने ताजे फलों को खाने तथा उनका जूस निकालने की जगह फल के रस के नाम पर रसायनयुक्त पैक्ड फ्रूट जूस खरीदकर सेवन किया। महीनों पुराने पैक्ड फ्रूट के जूस से बीमार होने का खतरा बढ़ा। बच्चों को कोल्ड ड्रिंक्स तथा पैक्ड फ्रूट जूस की आदत पड़ जाने से बीमार रहते हैं। पैक्ड फ्रूट जूस का अरबों रुपये का कारोबार है। विज्ञापन के माध्यम से झूठे दावे करके पैसा कमाया जा रहा है। जनजागरूकता से बीमारी पिलाने वाली कंपनियों पर रोक लगाना संभव है।

'आपदा': कहीं भूकंप तो कहीं आग-रिसाव

मॉक ड्रिलः भगदड़ के बाद मैदान में उतरी पूरी सरकारी मशीनरी



हल्द्वानी
हमारे संवाददाता

भूकंप आए तो कौन संभालेगा मोर्चा, आग भड़के तो कितनी तेजी से पहुंचेगी मदद और सुरंग में लोग फंस जाएं तो बचाव का रास्ता कितनी जल्दी खुलेगा? ऐसी ही आपात स्थितियों की परीक्षा लेने के लिए शनिवार को नैनीताल जिले में 14 स्थानों पर एक साथ आपदा का कृत्रिम माहौल खड़ा कर दिया गया।

कहीं भूकंप की तबाही, कहीं आग का तांडव, कहीं जहरीले रसायनों का रिसाव तो कहीं भगदड़ का संकट—एक साथ कई मोर्चों पर राहत और बचाव दलों को उतारकर सरकारी मशीनरी की तैयारी परखी गई। मॉक ड्रिल के तहत नैनीताल के बीडी पांडे जिला अस्पताल में भूकंप, रामनगर के रामदत्त जोशी जिला अस्पताल में शॉर्ट सर्किट से आग और हल्द्वानी के बॉक्स मॉल में भूकंप के बाद अफरा-तफरी व अग्निकांड का परिदृश्य तैयार किया गया। जमरानी बांध स्थल पर सुरंग में चट्टान टूटने और जलभराव की स्थिति बनाई गई, जबकि लालकुआं की पेपर मिल में रासायनिक पदार्थों के रिसाव तथा कैंचीधाम मंदिर परिसर में भगदड़ से निपटने का अभ्यास कराया गया। कालाढूंगी, कसियालेख, गरगड़ी, खैरना, नथुवाखान, भवाली, रामनगर और हल्द्वानी के विभिन्न राजकीय व निजी इंटर कॉलेजों में भी भूकंप के बाद अफरा-तफरी की स्थिति का अभ्यास किया गया।

संबंधित उपजिलाधिकारियों और तहसील स्तरीय इंसीडेंट रिस्पांस सिस्टम (आईआरएस) टीमों के नेतृत्व में अभियान चलाए गए। पुलिस, एसडीआरएफ, एनडीआरएफ, स्वास्थ्य विभाग, अग्निशमन, राजस्व, पीडब्ल्यूडी, विद्युत, परिवहन और नगर निकायों की टीमें राहत कार्य में जुटीं।

अभ्यास में मलबे या दुर्घटनास्थलों से लोगों को निकालने, घायलों को प्राथमिक उपचार देने, अस्पताल पहुंचाने, संसाधनों की उपलब्धता और विभागों के बीच तालमेल की गति परखी गई। आपदा के दौरान महज आदेश जारी करना नहीं, बल्कि समय पर मौके तक पहुंचना और एक-दूसरे के साथ तालमेल बैठाना सबसे बड़ी चुनौती होती है।

मॉक ड्रिल की ऑनलाइन लाइव स्ट्रीमिंग के जरिए भी निगरानी की गई। जिलाधिकारी ने लोगों से अपील की कि अभ्यास के दौरान दिखाई देने वाली घटनाओं को वास्तविक आपदा समझकर अफवाह न फैलाएं। आपदा का यह अभ्यास महज दिखावा नहीं, तैयारियों का आईना है—असली संकट में कागजी दावों से नहीं, मौके पर पहुंचने वाली मदद और बचाव की रफ्तार से ही जिंदगी बचती है।

स्वास्थ्य विभाग के अधिकारियों व कर्मियों को दिया एआई का प्रशिक्षण

नैनीताल। स्वास्थ्य विभाग के अधिकारियों और कर्मचारियों को कार्यक्षमता बढ़ाने और विभागीय कामकाज को आसान बनाने के लिए एआई (आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस) का प्रशिक्षण दिया गया। प्रशिक्षण में एआई के माध्यम से काम का बोझ कम करने तथा दस्तावेज तैयार करने और विभागीय कार्यों में तेजी लाने की जानकारी दी गई।

गूगल एआई की सीनियर रिसर्च इंजीनियर ने कैलिफ़ोर्निया से पहुंचकर प्रशिक्षण दिया। उन्होंने बताया कि एआई को सहायक के रूप में इस्तेमाल कर कई कार्यों को आसान बनाया जा सकता है। इससे समय की बचत के साथ कामकाज में तेजी लाई जा सकती है। एआई का उपयोग अपने असिस्टेंट के तौर पर कर कार्यों को अधिक व्यवस्थित ढंग से पूरा किया जा सकता है। कुमाऊं स्वास्थ्य निदेशक डॉ. के.के. अग्रवाल ने बताया कि मोतीनगर में आयोजित प्रशिक्षण में कुमाऊं मंडल के सीएमओ, मिनिस्ट्रियल कर्मचारी और एनएचएम कर्मियों ने प्रतिभाग किया। विभागीय कार्यों में तेजी लाने और दस्तावेजीकरण को मजबूत बनाने के उद्देश्य से प्रशिक्षण आयोजित किया गया था।

कैंची धाम, भवाली और भीमताल में वीकेंड पर यातायात प्लान लागू

नैनीताल
हमारे संवाददाता

कैंची धाम, भवाली और भीमताल क्षेत्र में वीकेंड पर पर्यटकों और श्रद्धालुओं की संभावित भीड़ को देखते हुए पुलिस ने 28 और 29 नवंबर के लिए विशेष यातायात प्लान जारी किया है। भारी वाहनों का सुबह तीन से रात 11 बजे तक और बसों व चौपहिया वाहनों का सुबह पांच से रात आठ बजे तक आवागमन प्रतिबंधित रहेगा। भारी वाहनों को जिले की सीमा पर रोका जाएगा।

एसएसपी अर्पण यदुवंशी की ओर से जारी प्लान के अनुसार अल्मोड़ा, जागेश्वर व बागेश्वर और पिथौरागढ़ से मैदानी क्षेत्रों को जाने वाले वाहन लमगड़ा, धनाचूली, धारी, खुटानी बैंड और भीमताल मार्ग से गुजरेंगे। मैदानी क्षेत्रों से पहाड़ जाने वाले वाहन खुटानी बैंड, भीमताल व धारी और धनाचूली बैंड से भेजे जाएंगे। काठगोदाम से रानीखेत जाने वाले वाहन मुक्तेश्वर-रामगढ़ मार्ग से जाएंगे। भीमताल मार्ग से कैंची धाम आने वाले निजी वाहन विकास भवन पार्किंग में खड़े कर शटल से भवाली और मंदिर पहुंचेंगे।

तैयारी

- 28 और 29 नवंबर को श्रद्धालुओं व पर्यटकों की भीड़ के मद्देनजर डायवर्जन

ज्योलीकोट-गेठिया-नैनीताल मार्ग से आने वाले वाहन भवाली सैनिटोरियम पार्किंग में खड़े होंगे जहां से शटल सेवा मिलेगी भीमताल से अल्मोड़ा, रानीखेत और कैंची धाम जाने वाले वाहनों को नैनी बैंड प्रथम, सैनिटोरियम बाईपास और शिप्रा पुल भवाली से भेजा जाएगा। कैंची धाम क्षेत्र में टैक्सी और दोपहिया वाहनों का प्रवेश प्रतिबंधित रहेगा। पुलिस ने यात्रियों से निर्धारित डायवर्जन और पार्किंग व्यवस्था का पालन करने की अपील की है।

बोर्ड परीक्षा के लिए 11 संवेदनशील और एक अतिसंवेदनशील केंद्र घोषित

अल्मोड़ा। उत्तराखंड विद्यालयी शिक्षा परिषद की ओर से आयोजित होने वाली हाईस्कूल एवं इंटरमीडिएट बोर्ड परीक्षाओं को लेकर शिक्षा विभाग ने तैयारियां तेज कर दी हैं।

फरवरी माह से प्रस्तावित बोर्ड परीक्षाओं के लिए जिले में कुल 113 परीक्षा केंद्र निर्धारित किए गए हैं। इनमें 11 केंद्रों को संवेदनशील तथा एक केंद्र को अतिसंवेदनशील घोषित किया गया है। शिक्षा विभाग के अनुसार जिले में अटल उत्कृष्ट विद्यालयों को छोड़कर कुल 306 विद्यालय संचालित हैं, जिनमें से 113 विद्यालयों को बोर्ड परीक्षा केंद्र बनाया गया है। इन केंद्रों पर हाईस्कूल एवं इंटरमीडिएट के विद्यार्थी परीक्षा देंगे। परीक्षा केंद्रों के निर्धारण के साथ ही विभाग ने परीक्षा व्यवस्थाओं को दुरुस्त करने की प्रक्रिया भी शुरू कर दी है। जिले की विभिन्न तहसीलों के दुर्गम एवं अति दुर्गम क्षेत्रों में नकल की आशंका तथा परीक्षा के दौरान किसी प्रकार के व्यवधान की संभावना को देखते हुए संवेदनशील और अतिसंवेदनशील केंद्र चिह्नित किए गए हैं।

फिल्मी दुनिया

किंग का नया गाना रिलीज: डैडी कूल पर थिरके शाहरुख खान



शाहरुख खान की आगामी फिल्म किंग का एक और गाना आज रिलीज हो चुका है। इसका टाइटल है- डैडी कूल। इसमें बॉलीवुड के किंग को करीना कपूर के साथ थिरकते देखा गया है। यह गाना अरिजीत सिंह और शिल्पा राव ने गाया है। फिल्म किंग का पहला गाना तू मिल जाए काफी सुर्खियों में रहा। इसमें एक्टर को दीपिका पादुकोण के साथ देखा गया। वहीं, डैडी कूल गाने में वे करीना कपूर के साथ नजर आए हैं। दिलचस्प बात यह है कि इस गाने के जरिए शाहरुख और करीना कपूर की जोड़ी करीब 15 साल बाद एक बार फिर परदे पर नजर आने वाली है। दोनों को इससे पहले साल 2011 की फिल्म रा.वन में साथ देखा गया था। इस गाने के बीट्स एनर्जी से भरपूर हैं। शानदार रेट्रो अंदाज के साथ शाहरुख खान और करीना कपूर अपने डांस मूव्स से डांस फ्लोर पर आग लगाते नजर आ रहे हैं। डांस के मामले में शाहरुख खान और करीना कपूर दोनों ही एक-दूसरे को भरपूर टक्कर देते दिख रहे हैं। दोनों की केमिस्ट्री लाजवाब है। करीना कपूर का अंदाज काफी बोल्ड है। इस गाने के लिरिक्स कुमार के हैं। यह गाना दरअसल, बोनी एम के 1976 के क्लासिक गाने पर आधारित है, जिसमें उनके मूल अंग्रेजी वोकल्स को शामिल किया गया है। इस तरह डैडी कूल-किंग वर्जन में बोनी एम. के मशहूर ग्लोबल हिट गाने डैडी कूल की तासीर भी बरकरार है। सचिन-जिगर ने डैडी कूल को नए अंदाज में कंपोज किया है। कोरियोग्राफी वैभवी मर्चेंट ने की है।

नेटिजंस को याद आई डॉन

फिल्म किंग में शाहरुख खान और करीना को एक साथ देखकर लोगों को डॉन की यादें ताजा हो गई हैं। बता दें कि फिल्म डॉन के ये मेरा दिल गाने में दोनों सितारों को साथ देखा गया था। वहीं कुछ यूजर्स इस बात की खुशी जता रहे हैं कि इतने वर्षों बाद करीना और शाहरुख साथ नजर आएंगे। फिल्म किंग 24 दिसंबर 2026 को दुनियाभर के सिनेमाघरों में रिलीज होगी। इसका निर्देशन सिद्धार्थ आनंद ने किया है। फिल्म में सुहाना खान भी नजर आएंगी।

नीताल जू में जल्द दहाड़ेगा व्हाइट टाइगर, पटना से आएगा सफेद बाघ

नैनीताल
अफ़ज़ल हुसैन फौजी

सरोवर नगरी के गोविंद बल्लभ पंत उच्च स्थलीय प्राणी उद्यान (नैनीताल जू) में जल्द ही पर्यटक व्हाइट टाइगर यानी सफेद बाघ का दीदार कर सकेंगे। इसके लिए नैनीताल जू और पटना जू के बीच वन्यजीवों के आदान-प्रदान को लेकर सहमति बन गई है। योजना के तहत पटना जू से एक व्हाइट टाइगर नैनीताल लाया जाएगा, जबकि नैनीताल जू से एक टाइगर पटना भेजा जाएगा। इस संबंध में दोनों चिड़ियाघरों की सहमति के बाद प्रस्ताव भेज दिया गया है।

नैनीताल जू में व्हाइट टाइगर के आने से वन्यजीव प्रेमियों और पर्यटकों को एक नया आकर्षण मिलने की उम्मीद है। खासकर बच्चों और वन्यजीवों में रुचि रखने वाले पर्यटकों के लिए सफेद बाघ को करीब से देखना खास अनुभव होगा। इससे नैनीताल जू की पहचान और आकर्षण भी बढ़ सकता है। नैनीताल चिड़ियाघर के डीएफओ आकाश गंगवार ने बताया कि व्हाइट टाइगर को नैनीताल लाने के लिए जरूरी औपचारिकताएं पूरी की जा रही हैं। प्रस्ताव को स्वीकृति मिलने के बाद वन्यजीवों के आदान-प्रदान की प्रक्रिया शुरू की जाएगी। उन्होंने बताया कि पूरी प्रक्रिया को छह महीने के भीतर पूरा करने का लक्ष्य रखा गया है। ऐसे में आने वाले समय में नैनीताल जू में व्हाइट टाइगर देखने की उम्मीद है।



सहमति

- छह महीने में पूरा होगा आदान-प्रदान का प्लान

News कॉर्नर

घास काटने गए युवक की पहाड़ी से गिरकर मौत

पिथौरागढ़। विकासखंड के बोना गांव में पहाड़ी से गिरकर युवक की मौत हो गई। जानकारी के मुताबिक, बोना गांव के 35 वर्षीय प्रमोद सिंह पांगती पुत्र दयान सिंह घास काटने के लिए घर के नजदीक जंगल में गए थे। तभी वह असंतुलित होकर पहाड़ी से गिर गए। ग्रामीणों ने उन्हें खाई से निकालकर सीएचसी पहुंचाया जहां चिकित्सकों ने मृत घोषित कर दिया। प्रभारी चिकित्साधिकारी डॉ. गौरव कुमार ने बताया कि अस्पताल पहुंचने से पहले की युवक की मौत हो चुकी थी। वहीं थानाध्यक्ष योगेश कुमार ने कहा कि पोस्टमार्टम के बाद शव परिजनों को सौंप दिया गया।

नैनीताल में स्थापित हो प्रमुख राज्य आंदोलनकारी डा.जंतवाल की प्रतिमा

नैनीताल

हमारे संवाददाता



उत्तराखंड राज्य निर्माण सेनानी वेलफेयर सोसाइटी एसोसिएशन की बैठक शुक्रवार को राज्य अतिथि गृह में रतन सिंह जंतवाल की अध्यक्षता तथा राज्य आंदोलनकारी व शिक्षक नेता कमलेश पांडे के संयोजकत्व में आयोजित की गयी। बैठक में राज्य आंदोलनकारियों की ज्वलंत समस्याओं पर विचार किया गया। बैठक में सर्वसम्मति से तय किया गया नैनीताल विधान सभा के पूर्व विधायक व प्रमुख राज्य आंदोलनकारी स्वर्गीय डॉ. नारायण सिंह जंतवाल की प्रतिमा नैनीताल शहर में लगाने के लिए नगर पालिकाध्यक्ष को स्थान देने हेतु प्रार्थना पत्र सूबे के सीएम पुष्कर सिंह धामी से मुलाकात कर अनुरोध किया जायेगा। सभी ने कहा कि कुमाऊँ विश्विद्यालय नैनीताल का नाम स्वर्गीय डॉ नारायण सिंह जंतवाल के नाम पर रखने के लिए राज्यपाल से आग्रह किया जाएगा। बैठक में राज्य निर्माण सेनानी वेलफेयर सोसाइटी एसोसिएशन के अध्यक्ष भुवन जोशी, जिलाध्यक्ष गणेश सिंह बिष्ट, महिला जिलाध्यक्ष लीला बोरा, केंद्रीय उपाध्यक्ष पान सिंह सिजवाली, प्रवक्ता रईस अहमद, कोषाध्यक्ष मनमोहन सिंह कनवाल, संगठन मंत्री कंचन चंदोला, प्रदेश सचिव डा. सुरेश डालाकोटी, तारा सिंह बिष्ट, नवीन जोशी, महेश जोशी, मिडिया प्रभारी इंदर सिंह नेगी समेत प्रकाश आर्या, डा.सुरेश नेगी, प्रो. सावित्री कैड़ा जंतवाल, भारतीय शहीद सैनिक स्मारक विद्यापीठ की प्रधानाचार्या श्रीमती तारा बोरा, पूर्व पालिकाध्यक्ष श्याम नारायण, हरीश अधिकारी, लोकेश वर्मा, सज्जन लाल शाह, दीवान सिंह, जिला सचिव हरेन्द्र सिंह बिष्ट, विजय पंत भुवन रावत, वीरेंद्र जोशी, शोभा लोहनी, भावना नेगी, प्रकाश सिंह, महासचिव प्रभात ध्यानी, पूर्व प्रशासनिक अधिकारी श्री शर्मा, राज्य आंदोलनकारी मुन्नी तिवारी, मनोज जोशी, चंद्र प्रकाश साह तथा विजय शाह सहित आदि ने प्रतिभाग किया।

विदाई : नम आंखें, मंजूनाथ- जगदीश के योगदान को किया याद

हल्द्वानी

हमारे संवाददाता



वर्दी की दुनिया में आदेश पर जिम्मेदारियां बदलती हैं, लेकिन कुछ कार्यकाल अपनी छाप छोड़ जाते हैं। नैनीताल पुलिस में शनिवार को ऐसा ही भावुक माहौल देखने को मिला, जब स्थानांतरित एसएसपी डॉ. मंजूनाथ टीसी और एसपी क्राइम/ट्रैफिक डॉ. जगदीश चंद्र को पुलिस अधिकारियों और कर्मचारियों ने भावभीनी विदाई दी। किसी ने उनकी कार्यशैली को याद किया तो किसी ने मुश्किल वक्त में साथ खड़े रहने के अंदाज को। समारोह में उपलब्धियों के साथ उन यादों का भी जिक्र हुआ, जो महकमे के साथियों के बीच लंबे समय तक रहेंगी।

विदाई समारोह में एसएसपी डॉ. मंजूनाथ टीसी ने अपने कार्यकाल के अनुभव साझा करते हुए पुलिस परिवार की एकजुटता और टीम भावना को सबसे बड़ी ताकत बताया। उन्होंने कहा कि एक एसएसपी के लिए सबसे कठिन क्षण किसी अपराध या कानून-व्यवस्था की चुनौती से नहीं, बल्कि अपने पुलिसकर्मी को खोने के संकट से आता है। उन्होंने ड्यूटी के दौरान सड़क हादसे में गंभीर रूप से घायल कांस्टेबल पुष्कर रौतेला का भावुक प्रसंग साझा किया। उन्होंने बताया कि तीन दिन तक आईसीयू में चले संघर्ष के दौरान पुलिस लाइन और हल्द्वानी क्षेत्र के थाना-चौकी प्रभारियों सहित तमाम पुलिसकर्मियों ने रक्तदान और सहयोग के जरिए जिस तरह साथ दिया, वह पुलिस परिवार की एकजुटता की मिसाल है। उन्होंने कहा कि नैनीताल में मिली जिम्मेदारियों को सभी ने मिलकर पूरा किया और हर चुनौती का सामना टीम भावना से किया।

एसपी डॉ. जगदीश चंद्र ने अपने लंबे सेवाकाल के अनुभव साझा करते हुए अधिकारियों और अधीनस्थ कर्मचारियों से मिली सीख का जिक्र किया। उन्होंने एसएसपी मंजूनाथ की कार्यशैली की सराहना करते हुए कहा कि पुलिस काम तो कर लेती है, लेकिन स्पष्ट ब्रीफिंग, आपसी समझ और सौहार्दपूर्ण व्यवहार के साथ किया गया काम बेहतर परिणाम देता है।

उन्होंने कहा कि बड़े आयोजनों, कानून-व्यवस्था और संवेदनशील ड्यूटियों के दौरान एसएसपी ने अनावश्यक दबाव बनाने के बजाय स्पष्ट दिशा-निर्देश दिए और अधीनस्थों पर भरोसा जताया। इससे पुलिसकर्मियों को जिम्मेदारी के साथ काम करने का अवसर मिला। डॉ. मंजूनाथ टीसी का स्थानांतरण 31वीं वाहिनी पीएसी में हुआ है, जबकि डॉ. जगदीश चंद्र बागेश्वर के पुलिस अधीक्षक की जिम्मेदारी संभालेंगे। विदाई समारोह में दोनों अधिकारियों के कार्यकाल, पुलिस प्रबंधन, मानवीय संवेदनाओं और योगदान को याद किया गया।

कार्यक्रम में जिले के सभी राजपत्रित अधिकारी, थाना-चौकी प्रभारी और विभिन्न शाखाओं के प्रभारी मौजूद रहे। कुर्सियां बदल जाएंगी, तैनाती के पते बदल जाएंगे, लेकिन कांस्टेबल पुष्कर के लिए पुलिस परिवार के संघर्ष और सहयोग की कहानी इस विदाई समारोह की सबसे भावुक याद बनकर रह गई।

बच्चे को झांसे में लेकर महिला के खाते से उड़ाए 2.06 लाख रुपये

अल्मोड़ा

हमारे संवाददाता

साइबर ठगों ने एक बार फिर मासूम बच्चे को अपने जाल में फंसाकर महिला के बैंक खाते से 206389 रुपये उड़ा लिए। मामला एनटीडी निवासी शगुफ्ता हसन का है। पीड़िता की शिकायत पर अल्मोड़ा कोतवाली पुलिस ने प्राथमिकी दर्ज कर मामले की जांच शुरू कर दी है।



पीड़िता के अनुसार उनका बच्चा कक्षा पांच में पढ़ता है। वह रोजाना स्कूल से घर आने के बाद करीब एक घंटे तक मोबाइल पर गेम खेलता है। बीते 15 नवंबर को भी बच्चा अपनी मां के मोबाइल पर गेम खेल रहा था। इसी दौरान एक अनजान व्यक्ति का फोन आया। फोन करने वाले ने बच्चे से बातचीत कर मेलजोल बढ़ाया और अपनी मां के इलाज के लिए एक रुपये की कमी होने की बात कहते हुए मदद मांगी। उसकी बातों में आकर बच्चे ने मोबाइल से गूगल पे के माध्यम से उसे एक रुपया भेज दिया।

इसके बाद साइबर ठग ने बच्चे से मोबाइल पर आया ओटीपी पूछ लिया। मासूम ने अनजान व्यक्ति पर भरोसा कर ओटीपी बता दिया। इसके बाद शगुफ्ता हसन के एचडीएफसी बैंक खाते से 2,06,389 रुपये निकाल लिए गए। महिला के पति एजाज हुसैन ने बताया कि उन्हें 22 नवंबर को खाते से धनराशि गायब होने की जानकारी मिली।

उन्होंने बताया कि मामले की जानकारी तब लगी जब उनके खाते के पैसे उनकी पत्नी के खाते में जाने लगे और उनके खाते की रकम कम होने लगी। वहीं पत्नी के खाते से वह रकम निकाल ली गई। उन्होंने बताया कि खाते से निकल रही रकम केनरा बैंक में सुनंदा यादव नाम के खाते में जा रही थी। शुरुआत में उन्हें खाते की धनराशि कम होने का कारण समझ नहीं आया। शक होने पर जांच की तो साइबर ठगी का पता चला। इसके बाद उन्होंने तत्काल पुलिस को सूचना दी। पुलिस मामले की जांच में जुट गई है।

वन तस्करों और एसओजी की मुठभेड़, 80 राउंड गोलियां चलीं

बाजपुर

हमारे संवाददाता

बाजपुर के बरहनी रेंज में बोर नदी के समीप वन तस्करों और वन विभाग एसओजी के बीच मुठभेड़ हुई, जिसमें लगभग 70-80 राउंड गोलियां चलीं। घिरता देख तस्कर अंधेरे का फायदा उठाकर सागौन के गिल्टों से लदी तीन बाइक मौके पर छोड़कर जंगल की ओर फरार हो गए।

बाजपुर के बरहनी रेंज अंतर्गत बोर नदी के समीप वन तस्कर और वन विभाग एसओजी के बीच मुठभेड़ हो गई। लगभग 70-80 राउंड गोलियां चली। इस दौरान घिरा देख तस्कर अंधेरे का फायदा उठाकर सागौन के गिल्टों से लदी तीन बाइक छोड़कर जंगल की तरफ भाग गए।

जानकारी के अनुसार शुक्रवार देर रात बरहैनी रेंज अंतर्गत और नदी के पास वन विभाग एसओजी प्रभारी कैलाश चंद्र तिवारी की अगुवाई में जंगलात टीम गश्त कर रही थी। कि इस दौरान वन विभाग टीम का आमना सामना वन तस्करों से हो गया। वन कर्मियों को देखते ही तस्करों ने फायरिंग शुरू कर दी। बताते हैं कि लकड़ी तस्करों ने वन विभाग टीम पर लगभग 40 से 45 राउंड फायरिंग की गई। जबकि वन विभाग टीम की ओर से आत्मरक्षा के लिए लगभग 30 से 35 राउंड फायरिंग की गई। इस गोलीबारी में वन दरोगा धन सिंह अधिकारी बाल-बाल बच गए। गनीमत रही कि इस मुठभेड़ में किसी को चोट नहीं आई है। वन विभाग टीम की जबाबी फायरिंग से घबराकर तस्कर सागौन लकड़ी के गिल्टो से लदी तीन बाइकों को मौके पर छोड़कर अंधेरे का फायदा उठाकर जंगल की तरफ भाग गए। सूचना पर वन विभाग के उच्च अधिकारी रक्षक दल के साथ मौके पर पहुंचे। वन विभाग ने सागौन लकड़ी के गिलटों से लदी तीन बाइकों को कब्जे में ले लिया। वन विभाग टीम तस्करों की तलाश में जुटी है।



नील गायों ने गेहूं के खेतों को रौंदा, निजात की मांग

खटीमा। सीमांत गांव नगला तराई में पिछले कुछ दिनों से नील गायें गेहूं के खेतों को रौंद रही हैं। पूर्व ग्राम प्रधान दान सिंह धामी ने बताया कि आजकल खेतों में नेपाल सीमा से सटे जंगलों से आकर नील गायें बौसबीघा, माझी नगला, कापड़ी पट्टी आदि गावों में गेहूं को नुकसान पहुंचा रही हैं। ग्रामीणों ने वन विभाग से नील गायों से निजात दिलाने की मांग की है।

रेशमबाड़ी हत्याकांड का मुख्य आरोपी मुठभेड़ में गिरफ्तार

रुद्रपुर

हमारे संवाददाता

रेशमबाड़ी में हत्या के बाद फरार आरोपी शिवम चंद्रा उर्फ बर्गर को कोतवाली रुद्रपुर पुलिस ने मुठभेड़ में गिरफ्तार कर लिया।

मुठभेड़ में उसके दाहिने पैर में गोली लगी, जिसके बाद उसे जिला अस्पताल में भर्ती कराया गया, जहां एसएसपी ने पहुंचकर उससे पूछताछ की। बृहस्पतिवार की रात रेशमबाड़ी रुद्रपुर में झगड़े के बाद कुछ युवाओं ने लीलाधर की चाकू हत्या की वारदात को अंजाम देकर फरार हुए आरोपी शिवम चंद्रा उर्फ बर्गर को कोतवाली रुद्रपुर पुलिस ने मुठभेड़ के बाद गिरफ्तार कर लिया। मुठभेड़ में उसके दाहिने पैर में गोली लगी है। उसे उपचार के लिए जिला चिकित्सालय रुद्रपुर ले जाया गया है। जहां एसएसपी ने पहुंचकर उससे पूछताछ की। बृहस्पतिवार की रात रेशमबाड़ी रुद्रपुर में झगड़े के बाद कुछ युवाओं ने लीलाधर की चाकू से गोदकर हत्या कर दी थी। इसके बाद आरोपी फरार हो गए। एसएसपी मणिकांत मिश्रा ने बताया कि पुलिस को शनिवार को हत्या के मामले में वांछित शिवम चंद्रा की लोकेशन मिली थी। पुलिस ने रिंग रोड से सरदार के झाले की ओर जाने वाले मार्ग पर घेराबंदी की। पुलिस को देखकर अभियुक्त ने भागने का प्रयास किया और फायरिंग कर दी।

चुनाव 2027 की आहट, मशीनें मैदान में, अब मतदाता की बारी

हल्द्वानी

हमारे संवाददाता

विधानसभा चुनाव की तारीख भले अभी दूर हो, लेकिन चुनावी तैयारियों ने रफ्तार पकड़ ली है। निर्वाचन आयोग ने ईवीएम और वीवीपैट को लेकर मतदाताओं के बीच जागरूकता अभियान शुरू कर दिया है। अब सिर्फ चुनाव के दिन मतदान केंद्र पहुंचकर बटन दबाना ही नहीं, बल्कि उससे पहले मशीन की कार्यप्रणाली समझना भी मतदाता की तैयारी का हिस्सा होगा।

प्रदेश के सभी 70 विधानसभा क्षेत्रों में चलाए जा रहे अभियान के तहत 16 नवंबर से जिला निर्वाचन कार्यालयों में ईवीएम डिमॉन्स्ट्रेशन सेंटर शुरू किए गए हैं। यहां मतदाता खुद मशीन पर बटन दबाकर मतदान की प्रक्रिया समझ सकेंगे। वीवीपैट से निकलने वाली पर्ची देखकर यह भी जान सकेंगे कि वोट की पुष्टि किस तरह होती है।



दूरदराज के पहाड़ी गांवों और कस्बों को अभियान से जोड़ने के लिए मोबाइल डिमॉन्स्ट्रेशन वैन तैयार की गई हैं। ये वाहन 16 नवंबर से 15 दिसंबर तक प्रदेश के सभी 70 विधानसभा क्षेत्रों में भ्रमण कर ईवीएम और वीवीपैट की जानकारी देंगे। जिले में प्रथम स्तरीय जांच के दौरान 1541 बैलेट यूनिट, 2716 कंट्रोल यूनिट और 2224 वीवीपैट की जांच पूरी कर ली गई है। जिला निर्वाचन अधिकारी एवं जिलाधिकारी ललित मोहन रयाल ने बताया कि चुनावी व्यवस्थाओं के संचालन के लिए 56 नोडल और 108 सहायक नोडल अधिकारी तैनात किए गए हैं।

अभियान

- 70 विधानसभा क्षेत्रों में ईवीएम-वीवीपैट का जागरूकता अभियान शुरू

अभियान में बैलेट यूनिट पर बटन दबाने, वीवीपैट की पर्ची देखने और मतदान की पुष्टि करने का तरीका बताया जाएगा। चुनावी मशीनें तैयार करने की कवायद शुरू हो चुकी है, अधिकारी मैदान में उतर चुके हैं और अब मतदाताओं को जागरूक करने की बारी है। 2027 के चुनाव में मतदान की प्रक्रिया को लेकर कोई उलझन न रहे, इसी मकसद से आयोग ने चुनाव से पहले ही अपनी पाठशाला खोल दी है।